डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में रक्ताधान की सुविधा

697. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल और दिल्ली के कुछ अन्य अस्पतालों में जिन रोगियों की शल्य चिकित्सा की जानी होती है, उन्हें रक्ताधान के लिए रेड क्रास सोसाइटी से रक्त लेने की अनुमति नहीं दी जाती है ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) का उत्तर "ना" हो तो रोगियों के संबंधियों को अस्पताल में ही खून देने के लिए विवश करने के क्या कारण हैं ; और

(घ) रेड क्रास या किसी अन्य ऐसी ही संस्था में रक्तदान कर वहां से कोई कार्ड प्राप्त करने वाले व्यक्ति को अपने स्वयं के आपरेशन या अपने संबंधी के आपरेशन के समय उस कार्ड के बदले में रेड क्रास से रक्त लेने की अनुमति न दिए जाने के क्या कारण हैं और अस्पताल किन कारणों से इस प्रकार की अनुमति नहीं देते हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे): (क) जी, नहीं ।

(ख) प्रश्न नहीं उठता ।

(ग) अस्पतालों में रक्त दान करने के लिए रिश्तेदारों को विवश नहीं किया जाता है ।

(घ) ऐसे रक्त दाता को, जिसने रक्त दान किया है और रक्त दान का एक कार्ड प्राप्त किया है जो एक वर्ष तक मान्य होता है, अपने-अपने परिवार के किसी सदस्य की शल्य चिकित्सा (आपरेशन) के समय इस कार्ड के आधार पर रक्त प्राप्त करने की अनुमति है ।

डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल, नई दिल्ली में औषधियों का उपलब्ध न होना

698. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया :** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में चिकित्सकों द्वारा लिखी गई औषधियां निःशुल्क वितरण के लिए सुलभ नहीं हैं ;

(ख) इस अस्पताल में निःशुल्क वितरण के लिए सुलभ औषधियों की सूची का ब्यौरा क्या है ;

(ग) क्या यह सच है कि रोगियों के रिश्तेदारों से शल्य चिकित्सा के समय खुले बाजार से महंगी औषधियां खरीदने के लिए कहा जाता है ; और

(घ) यदि हां, तो शल्य चिकित्सा जैसे संकटकालीन समय में अस्पताल में ही इस प्रकार की औषधियों के सुलभ न होने के क्या कारण हैं ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (कुमारी सरोज खापर्डे) : (क) डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल दिल्ली अंतरंग और बहिरंग रोगियों को अस्पताल की फार्मूलरी के अनुसार सभी अनिवार्य औषधियां सप्लाई कर रहा है, तथापि खपत में वृद्धि (महामारियों, मौसमी, बुखारों, दुर्घटनाओं, संकटों) अथवा बाजार में कमी होने के कारण किसी दवाई के स्टाक में न होने से तत्काल आवश्यकताओं को पूरा करने के वे सुपर बाजार से अथवा अन्य स्रोतों से जहां दवाईयां उपलब्ध होती हैं, स्थानीय खरीद द्वारा तत्काल प्राप्त कर ली जाती हैं । बाद में स्टाक की स्थिति को अद्यतन बनाने के लिए कदम उठाए जाते हैं यदि रोगी के रिश्तेदारों द्वारा असामयिक घड़ी में कोई दवाई खरीदी जाती है तो उसकी अस्पताल द्वारा अगली सुबह ही प्रतिपूर्ति कर दी जाती है ।

बहिरंग रोगी विभाग के औषधालय से सभी आम बीमारियों और विशेष फीनोग्रप क्लीनिकों के लिए वितरण की

जाने वाली दवाइयों की एक सूची है। सभी नुस्खा लिखी दवाइयां रोगियों को एक बार में 7 दिन के लिए मुफ्त सप्लाई की जाती हैं।

(ख) अस्पताल की फार्मूलरी की एक प्रतिलिपि संलग्न है। [देखिए परिशिष्ट—149, अनुबंध संख्या—38]

(ग) जी. नहीं।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

Launched of PSLV and ASLV-II

699. DR. NARREDDY THULASI REDDY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) What are the salient features of the report given by the Failure Analysis Committee which went into the abortive launch of the ASLV on July 3, 1988; and

(b) by when the PSLV and ASLV-II are likely to be launched?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND THE MINISTER OF STATE IN THE DEPARTMENTS OF OCEAN DEVELOPMENT, ATOMIC ENERGY, ELECTRONICS AND SPACE (SHRI K. R. NARAYANAN): (a) The Failure Analysis Committee (FAC) has submitted their report to the Expert Review Panel (ERP), which is also independently examining all the data to find the exact cause of the ASLV failure. The FAC has concluded that the ASLV-D2 mission has failed due to the break up of the upper portion of the vehicle at about 50.4 sec. after lift off. While the FAC report has attributed the failure as due to the loss of control at the maximum dynamic pressure region resulting in excessive build up of Yaw angle of attack and the flight loads exceeding the acceptable limits the independent evaluation and findings of the ERP is awaited. Based on the ERP recommendations the remedial actions will be initiated to ensure the success of the next launch.

(b) Work on PSLV is currently at an advanced stage. It is expected that the first launch of PSLV can take place in 1990-91 time frame.

Regarding the next flight of ASLV-D3/C1, the launch date will be firmed up based on the recommendations of the ERP and the extent of modifications required to be incorporated.

Appointment of I.S.M. Physicians under C.G.H.S.

700. SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to refer to the answer to Unstarred Question 48 given in the Rajya Sabha on 27th July, 1988 and state:

(a) whether it is a fact that both Degree and Diploma in I.S.M. is one of the essential qualifications for the appointment of Physician in Indian Systems of Medicines under C.G.H.S.;

(b) whether it is also a fact that persons having Diploma or Degree, appointed as Physicians in I.S.M. are appointed in the same scales of pay and required to perform the same duties without any difference;

(c) whether the recommendations of the IV Pay Commission for separate pay scales in this regard are discriminatory; and

(d) what steps Govt. have taken to ensure that same Pay Scales are granted for the same job and responsibilities to Physicians in I.S.M.?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (KUMARI SAROJ KHAPARDE): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) and (d) All existing Physicians of I.S.M. and Homoeopathy working under C.G.H.S. have been allowed a revised scale of Rs. 2200-4000 with effect from 1-1-1986.

Demand for Job Reservations

701. SHRI RAM AWADHESH SINGH Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there has been increasing demand for job reservations on various grounds by certain organisations in the country;